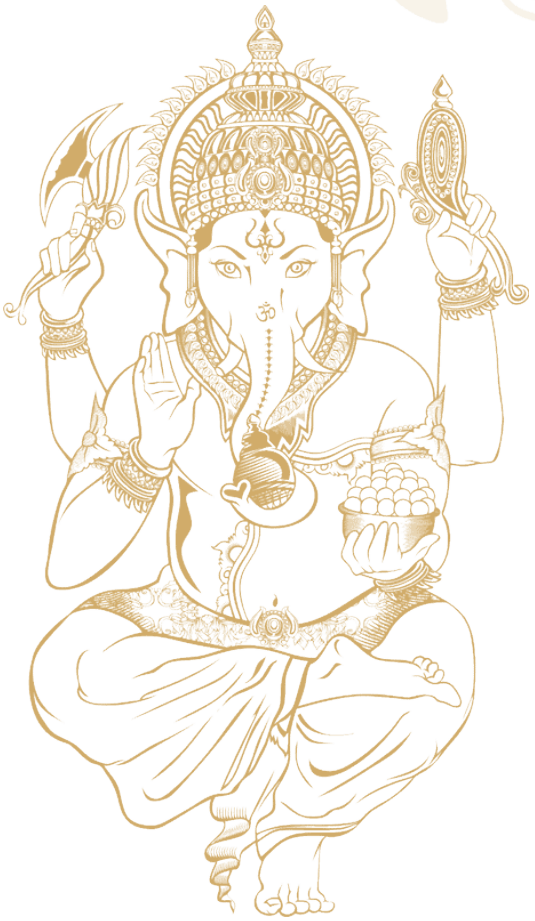

Nikhil

Rina

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121649808

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/01/1999	जन्म तिथि	02/02/2005
बुध-गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 05:16:00	जन्म समय	13:35:00 घंटे
घटी 55:01:16	जन्म समय(घटी)	16:04:56 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:29	सूर्योदय	07:09:01
17:44:52	सूर्यास्त	18:01:01
23:50:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 16वर्ष 0मा 26दि	29:50:45	वृश्चि	लग्न	वृष	21:34:43	राहु 0वर्ष 0मा 9दि
शुक्र	29:30:05	धनु	सूर्य	मक	19:39:07	शनि
08/02/2022	17:23:42	वृश्चि	चंद्र	तुला	19:58:51	11/02/2021
08/02/2042	00:44:15	तुला	मंगल	धनु	02:56:44	12/02/2040
शुक्र 10/06/2025	16:30:43	धनु	बुध	मक	11:06:27	शनि 15/02/2024
सूर्य 10/06/2026	00:11:13	मीन	गुरु व	कन्या	24:56:10	बुध 25/10/2026
चन्द्र 09/02/2028	17:48:43	मक	शुक्र	मक	05:40:33	केतु 04/12/2027
मंगल 10/04/2029	03:08:39	मेष	शनि व	मिथु	28:24:47	शुक्र 03/02/2031
राहु 10/04/2032	28:37:44	कर्क व	राहु	मेष	01:43:53	सूर्य 16/01/2032
गुरु 10/12/2034	28:37:44	मक व	केतु	तुला	01:43:53	चन्द्र 16/08/2033
शनि 08/02/2038	17:49:14	मक	हर्ष	कुंभ	11:31:59	मंगल 25/09/2034
बुध 09/12/2040	07:41:52	मक	नेप	मक	21:05:32	राहु 01/08/2037
केतु 08/02/2042	15:41:57	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	29:50:31	गुरु 12/02/2040

लग्न-चलित

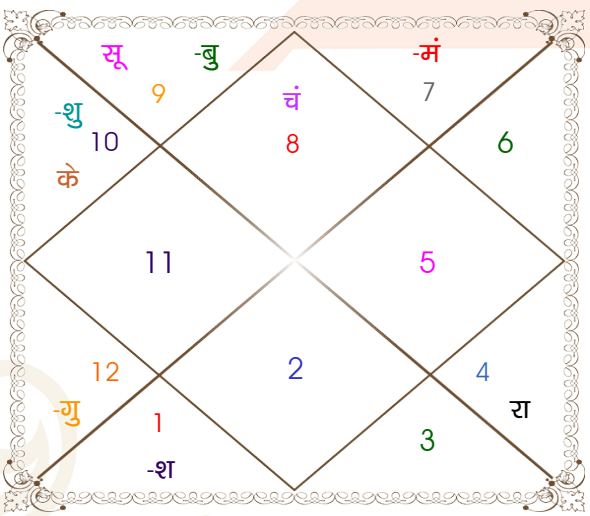

लग्न-चलित

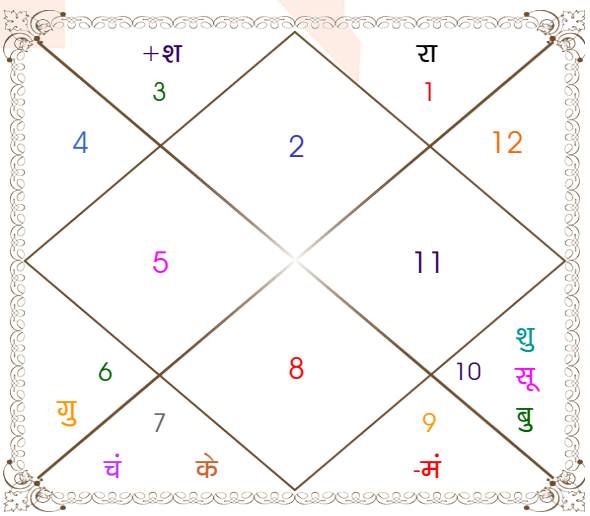

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

छपीपस का वर्ग सर्प है तथा Rina का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छपीपस और Rina का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

छपीपस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छपीपस कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Rina मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Rina कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छपीपस कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छपीपस तथा Rina में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।